भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क में 'रीफ्लो: मासिक धर्म स्वास्थ्य नवाचार हैकथॉन 2025' का आयोजन

भुवनेश्वर, 16 नवंबर 2025: आईआईटी भुवनेश्वर रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क (आईआईटीबीबीएस आरईपी) ने यूनिसेफ ओडिशा, आयुरारोग्य सौख्यम फाउंडेशन, एक्शनलैब 2050 फाउंडेशन, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) और ओडिशा मेंस्ट्रुअल हेल्थ एंड हाइजीन अलायंस के सहयोग से आईआईटी भुवनेश्वर के ललितगिरी लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स में रीफ्लो: मेंस्ट्रुअल हेल्थ इनोवेशन हैकाथॉन 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम को भारतीय स्टेट बैंक का भी समर्थन प्राप्त था। यह आईआईटी भुवनेश्वर में आयोजित पहला हैकाथॉन था, जिसका विषय मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता था।

कार्यक्रम की शुरुआत सहयोगी संगठनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक उद्घाटन समारोह के साथ हुई। रीफ्लो हैकाथॉन की संयोजक और आईआईटीबीबीएस आरईपी की स्वतंत्र निदेशक डॉ. सीमा बहिनीपति ने स्वागत भाषण दिया, जिसके बाद यूनिसेफ, ओडिशा की वाश-सीसीईएस विशेषज्ञ सुश्री शिप्रा सक्सेना; सौख्यम फाउंडेशन के सलाहकार मंडल के अध्यक्ष प्रो. प्रवीण बिष्ट; एक्शनलैब 2050 के श्री तपस महापात्रा; एसटीपीआई, भुवनेश्वर के इलेक्ट्रोप्रेन्योर पार्क की सीओओ सुश्री पूरबी पूर्णाशा मिश्रा; यूनिसेफ ओडिशा की स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. मीना सोम ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने मासिक धर्म स्वास्थ्य समानता, स्थिरता और समुदाय-संचालित जागरूकता को बढ़ावा देने में नवाचार के महत्व पर ज़ोर दिया।

दिन भर चलने वाले इस कार्यक्रम में भारत भर के नवप्रवर्तक, स्टार्ट-अप, छात्र, गैर-सरकारी संगठन और युवा परिवर्तनकर्ता मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता (एमएचएच) से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के समाधान तैयार करने के लिए एक साथ आए। फाइनलिस्टों ने पाँच प्रमुख नवाचार ट्रैकों—पुन: प्रयोज्य मासिक धर्म उत्पाद और स्थायी मासिक धर्म उत्पादों के लिए ऑनलाइन जागरूकता अभियान, मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता में IoT समाधान, आजीविका के रूप में मासिक धर्म स्वास्थ्य और मासिक धर्म स्वास्थ्य और आस्था—पर प्रोटोटाइप और विचार प्रस्तुत किए। देश भर से कुल 76 टीमों में से, नवोन्मेषी विचारों वाली 44 टीमों को अंतिम प्रस्तुति के लिए चुना गया। पूरे दिन, फाइनलिस्टों ने लाइव प्रदर्शनों और प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन विशेषज्ञों के एक पैनल द्वारा किया गया।

समापन सत्र में, निर्णायक मंडल के सदस्यों ने प्रस्तुत समाधानों की गुणवत्ता, प्रभाव क्षमता और मापनीयता पर अपने विचार साझा किए। ओडिशा की पैड गर्ल के रूप में प्रसिद्ध सुश्री पायल पटेल ने

मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और सामाजिक भलाई के लिए नवाचार को बढ़ावा देने पर एक उत्साहजनक संदेश के साथ उपस्थित लोगों को संबोधित किया।

पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान नवाचार पथों के विजेताओं को सम्मानित किया गया, जो एक उच्च-ऊर्जा, प्रभाव-संचालित कार्यक्रम के समापन का प्रतीक था, जिसका उद्देश्य समुदायों द्वारा मासिक धर्म स्वास्थ्य समाधानों तक पहुँचने और उनसे जुड़ने के तरीके को बदलना था।

रीफ्लो 2025, आईआईटीबीबीएस आरईपी की सामाजिक रूप से प्रासंगिक नवाचार का समर्थन करने की प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो रचनाकारों को विचारों को वास्तविक दुनिया में प्रभाव में बदलने के लिए मार्गदर्शन, इनक्यूबेशन सहायता और अवसर प्रदान करता है।